प्रोजेक्ट कार्य : एवं परिचय (Project work)

प्रोजेक्ट कार्य (Project work ?)

प्रोजेक्ट को प्राकृतिक एक ऐसी क्रिया है जिसका कोई विशेष उद्देश्य होता है और जिसे यहीं लगन व उत्साह के साथ किया जाता है।

प्रोजेक्ट सामाजिक वातावरण में किया जाने वाली एक उद्देश्यपूर्ण क्रिया है।

"A Project is a purposeful activity proceeding in a social environment"

प्रोजेक्ट कैसे सहायक है (How project is Helpful)?

प्रोजेक्ट के दौरान विद्यार्थियों को सैद्धांतिक जानकारी को वास्तविकता से अवगत होने का मौका प्राप्त होता है। आर्थिक पर जानने का मौका मिलता है। व्यावसायिक अध्ययन विषय में इसलिए जो सिद्धांत पढ़े हैं वास्तव में उनको किस तरीके से लागू किया जाता है।

जैसे:- हम पढ़ते हैं कि व्यवसाय के अनेक उद्देश्य होते हैं। प्रोजेक्ट की सहायता से हम सैद्धांतिक जानकारी को प्रमाणित किया जा सकता है। प्रोजेक्ट के दौरान अनेक व्यवसायियों से उनके व्यवसाय की स्थापना के उद्देश्य पूछे जा सकते हैं।

प्रोजेक्ट के विभिन्न भाग (Views in project work)

प्रोजेक्ट कार्य को पूरा करने के लिए निम्नलिखित भागों से होकर गुजरना पड़ता है।

(ii) समस्या को परिभाषित करना :- (Defining the problem)

प्रोजेक्ट की प्रथम चरण समस्या को परिभाषित करना ही है इस चरण पर विद्यार्थी एवं अध्यापक दोनों इस बात के विचार विमर्श करते हैं कि किन किन समस्या / खोज को अध्ययन किया जाए। व्यवसायिक अध्ययन विषय के अनेक ऐसे विषय हैं समस्याएं हैं जिनका अध्ययन किया जा सकता है.

(iii) योजना बनाना (Making a plan) :-

प्रोजेक्ट के विषय का चयन करने के बाद योजना तैयार की जाती है। योजना बनाते समय निम्नलिखित बातों के बारे में निर्णय लिए जाते हैं

- संगठन का चयन (selection of organization)
- समय सारणी तैयार करना (Preparing Time-Table)
- प्रश्नावली तैयार करना (Preparing questionnaire)

(iiii) पूछताछ करना (conducting enquiry) :-

यह निश्चित कर लेने के बाद कि क्या करना है, कैसे करना है और कब करना है पूछताछ का काम शुरू किया जाता है। इस चरण पर विद्यार्थी को पूर्व-निर्धारित संगठन के बाहर वांछित सूचनाएं एकत्रित करनी होती है। पूछताछ के दौरान जैसे-जैसे सूचनाएं प्राप्त होती जाएं उन्हें एक डायरी में लिखते रहना चाहिए। सभी सूचनाएं एक ही समय पर व्यक्ति के रूप पर संगठन के अधिकारियों की अनुमति से लेकर एकत्र करनी चाहिए।

(10) सूचनाओं का सम्पादन (Editing the Information):-

सम्पादन का मुख्य उद्देश्य अनुसूचियों की निरर्थक बातों को हटाना। इसका अभिप्राय यह है कि सूचनाएं प्रश्नावली से प्राप्त की गई हैं उन्हें व्यवस्थित रूप से लिखा जाए एवं सूचनाएं ऐसी हो सकती हैं जिन्हें उत्तरदाता ने जल्दी में गलत लिख दिया था उन्हें ठीक कर लेना चाहिए।

(11) सूचनाओं का विश्लेषण (Analysing the Information):-

सूचनाओं का सम्पादन करने के बाद उनका विश्लेषण किया जाता है अर्थात् यह देखा जाता है कि उनका निष्कर्ष क्या है।

जैसे, बैंक के कर्मचारियों के व्यवहार के बारे में सूचनाएं प्राप्त की गई हैं तो उनका विश्लेषण इस प्रकार किया जाता है

(i) बैंक कर्मचारियों का ग्राहकों से औसतन व्यवहार कैसा है? अर्थात् सहयोग करने का या नहीं

(ii) क्या एक विशेष कर्मचारी सभी ग्राहकों (अमीर एवं गरीब) से एक जैसा व्यवहार करता है या नहीं।

(iii) यदि एक विशेष कर्मचारी अलग-अलग ग्राहकों के साथ अलग-अलग ढंग से व्यवहार करता है तो क्यों?

(iv) कर्मचारियों के व्यवहार पर नियन्त्रण में बैंक मैनेजर की भूमिका।